नहूम

1 नीनवे के बारे में भारी संदेश। एल्कोशी
नहूम के दर्शन की किताब। 2 याहवे
जलन रखनेवाले और बदला लेनेवाले
परमेश्वर हैं। याहवे बदला लेते हैं, और बड़े
ही गुस्से में हैं। याहवे अपने दुश्मनों से बदला
लेंगे, वह अपने दुश्मनों के लिए अपना गुस्सा
बचाकर रखेंगे। 3 याहवे विलंब से गुस्सा
करते हैं। वह बहुत ही सामर्थी हैं; वह दुष्ट
व्यक्ति को बिल्कुल बेगुनाह नहीं ठहराएँगे।
याहवे बवंडर और आँधी-तूफान में होकर
चलते हैं, और बादल तो उनके पैरों की धूल
है। 4 वह समुद्र को डाँटते हैं और उनकी डाँट
से उसका पानी सूख जाता है। उनके घुड़कने
से बड़ी-बड़ी नदियाँ सूख जाती हैं। बाशान
और कर्मेल मुरझा जाते हैं, और लबानोन
के फूल कुम्हला जाते हैं। 5 उनके छू लेने से
पहाड़ भी काँप उठते हैं और उनके सामने
पहाड़ियाँ पिघल जाती हैं। उनकी उपस्थिति
के प्रताप में पृथ्वी आहे भरती है, हाँ, सारा
संसार और उसमें रहनेवाले सारे लोग थरथरा
उठते हैं। 6 उनके गुस्से के सामने कौन खड़ा
रह पाएगा? उनका गुस्सा आग के समान
उण्डेला जाता है, तब कौन ठहर सकता
है? चट्टानें उनकी सामर्थ से फट- फटकर
गिरती हैं। 7 याहवे अच्छे हैं; संकट के दिन
में वह मज़बूत गढ़ साबित होते हैं। जो उन
पर भरोसा रखते हैं उनकी वह सुधि लेते हैं।
8 लेकिन वह उफनती हुई बड़ी बाढ़ से उसके
स्थान का अन्त कर देंगे, और अन्धियारा
उनके दुश्मनों को को खदेड़कर भगा देगा।
9 तुम याहवे के खिलाफ क्या साजिश करते
हो? वह उसे हमेशा के लिए खत्म कर देंगे।
विपत्ति दूसरी बार पड़ने न पाएगी। 10 क्योंकि
भले ही वे काँटों से उलझे हुए हों, और
शराबी के समाने नशे में चूर हों, तौभी वे
सूखी खूँटी के समान जलाकर भस्म कर दिए
जाएँगे। 11 तुझमें से एक दुष्ट निकला है, जो
याहवे के खिलाफ साजिश करता है और
बुरी युक्ति करता है। 12 याहवे कहते हैं, "भले
ही वे सब प्रकार से सुरक्षित हैं, और उनकी
संख्या बहुत है, तौभी पूरी रीति से काट दिए
जाएँगे और मिटा दिए जाएँगे। भले ही मैंने
तुम्हें दुख दिया है, लेकिन फिर उसे न दूँगा।
13 क्योंकि अब मैं उसका जूआ तुम्हारी गर्दन
पर से हटा दूँगा और उसे तोड़ डालूँगा। और
तुम्हारी बेड़ियों को दो टुकड़े कर डालूँगा।"
14 परमेश्वर याहवे ने तुम्हारे बारे में यह आदेश
दिया है कि इसके आगे तुम्हारा नाम चलाने
वाला तुम्हारा वंश आगे बढ़ नहीं पाएगा। मैं
तुम्हारे देवालयों में से खुदी हुई मूर्तियों को
और धातुओं से गढ़ी हुई मूर्तियों को काट
डालूँगा। मैं तेरे लिए कबर खोदूँगा, क्योंकि तू
नीच है। 15 पहाड़ों पर खुशखबर सुनानेवाले
के पैरों को देखो जो शान्ति का प्रचार करता
हुआ आता है! अब हे यहूदा, अपने त्योहारों
को मानो, और अपनी मन्नतों को पूरा करो।
क्योंकि वह दुष्ट फिर कभी तुम्हारे बीच में
होकर नहीं जाएगा, वह पूरी रीति से नाश हो
गया है।

2 सत्यानाश करनेवाला तेरे खिलाफ चढ़
आया है। गढ़ की रक्षा करो! मार्ग
देखते हुए सावधान रहो। अपनी कमर कस
लो! अपनी ताकतवर सेना को इकट्ठा करो!
2 क्योंकि प्रभु याहवे याकूब की शान और
गौरव को इस्राएल के गौरव के समान ज्यों
का त्यों कर रहे हैं, भले ही सत्यानाश करने

वालों ने उन्हें उजाड़ कर दिया है और उनकी
अँगूर की डालियों को नाश किया है। 3 उनके
शूरवीरों की ढालें लाल रंग की हैं, और
उनके वीर योद्धाओं ने लाल रंग के कपड़े
पहने हैं। तैयारी के दिन रथों का लोहा आग
की मशालों के समान चमक उठेगा, और
भाले हिलाए जाएँगे। 4 रथ सड़कों पर बड़ी
तेज़ी से दौड़ेंगे, और चौड़े रास्तों पर वे इधर
उधर हाँके जाएँगे। वे मशालों के समान
दिखाई देंगे। वे चमकती हुई बिजली के
समान आगे बढ़ेंगे। 5 वह अपने शूरवीरों को
याद करेंगे। वे चलते चलते ठोकर खाएँगे।
वे उसकी शहरपनाह की ओर तेज़ी से चल
पड़ेंगे, और सुरक्षा के लिए गुम्मट तैयार
किया जाएगा। 6 नहरों के दरवाज़े खोल दिए
जाएँगे, और राजमहल धराशायी हो जाएगा।
7 हुसेब पकड़कर कैद कर ली जाएगी। उसे
लाया जाएगा और उसकी दासियाँ उसके
आगे-आगे छाती पीटती हुई, कबूतरों के
समान शोक मनाती हुई चलेंगी। 8 पुराने
समयों से नीनवे तालाब के समान है, लेकिन
उसका पानी बह जाता है। "रुक जाओ! रुक
जाओ!" वे चिल्लाते हैं, फिर भी कोई पीछे
मुड़कर न देखेगा। 9 चाँदी को लूट लो, सोने
को लूट लो। उसके रखे हुए धन की भरपूरी,
और शानशौकत की सब प्रकार की बेहतरीन
चीज़ों का कोई अंत नहीं है। 10 वह खाली,
छूछी और सूनी हो गई है! मन कच्चा हो गया,
और पैर काँपते हैं। और सबके पीठ में दर्द
उठता है, और सभी के चेहरों का रंग उड़ गया
है। 11 सिहों की रहने की जगह, और जवान
सिंह के शिकार की जगह कहाँ है, जहाँ सिंह
और वृद्ध सिंह, सिंह के बच्चे चलते-फिरते
थे, और कोई उन्हें डराता न था? 12 सिंह
अपने बच्चों के लिए माँस को टुकड़े-टुकड़े
कर देता था, और अपनी सिंहनियों के लिये
शिकार का गला घोंटकर ले जाता था, और
अपनी गुफ़ाओं और माँदों को उस शिकार
से भर देता था। 13 सेनाओं के प्रभु परमेश्वर
कहते हैं, "देखो, मैं तुम्हारे खिलाफ हूँ, और
मैं उसके रथों को जलाकर भस्म करके धुएँ में
उड़ा दूँगा, और तुम्हारे जवान सिंह के समान
दिखने वाले वीर तलवार से मारे जाएँगे। मैं
तुम्हारे शिकार को पृथ्वी पर से मिटा दूँगा,
और तुम्हारे संदेश देने वालों की आवाज़ फिर
सुनाई न देगी।"

3 हाय उस हत्यारी नगरी पर! वह झूठ
और लूटपाट के धन से भरी हुई है।
उसकी लूट कभी कम नहीं होती है। 2 कोड़ों
की फटकार! और पहियों की गड़गड़ाहट
का शोर, घोड़ों के कूदने-फाँदने और रथों
के उछलने की आवाज़ हो रही है। 3 सवार
चढ़ाई करते हैं, उनकी तलवारें और भाले
बिजली के समान चमकते हैं, मारे हुओं की
तादाद बड़ी है और लोथों का बड़ा ढेर लगा
है; उनके शवों की कोई गिनती नहीं, लोग
मुर्दों को ठोकर मारते हुए चलते हैं! 4 यह सब
उस खूबसूरत वेश्या, और निपुण जादूगरनी
के वेश्यापन के घिनौने कामों के कारण हुआ,
जो अपने गंदे कामों से देश-देश के लोगों को,
और अपने जादू-टोने की वजह से परिवारों
को बेच डालती है। 5 सेनाओं के याहवे का
यह कहना है, "देखो, मैं तुम्हारे खिलाफ हूँ,
और मैं तुम्हारे कपड़ों को उठाकर, तुम्हारी
नग्नता सारे राष्ट्रों को दिखाऊँगा और राज्यों
के सामने तुम्हें शर्मिन्दा करूँगा। 6 मैं तुम पर
घिनौनी वस्तुएँ फेंकूँगा और तुम्हारी दुष्टता
सबके सामने लाऊँगा, और सब के सामने
तुम्हारा तमाशा बनाऊँगा। 7 और ऐसा होगा
कि जितने तुम्हें देखेंगे, वे तुम से दूर भाग
जाएँगे और कहेंगे, 'नीनवे वीरान हो गई है;
कौन उसके लिए दुख मनाएगा? हम उसके

लिये तसल्ली देनेवाला कहाँ से ढूँढ़कर ले
आएँ?' 8 क्या तू घनी आबादी वाले अमोन
नगर से बेहतर है, जो नदियों के बीच बसा
था, जिसके चारों ओर पानी ही पानी था?
समुद्र उसके लिये किले का और शहरपनाह
का काम देता था। 9 कूश और मिस्र उसको
बहुत ताकत देते थे। पूत और लूबी तुम्हारे
मददगार थे। 10 फिर भी वह पकड़वाई गई,
कैद कर ली गई। और उसके नन्हें बच्चे
सड़कों के सिरे पर पटककर टुकड़े-टुकड़े
कर दिए गए; और उसके आदरणीय पुरुषों
के लिये चिट्ठियाँ डाली गईं और उसके सब
महापुरुषों को बेड़ियों से बान्धा गया। 11 तुम
भी नशे में मदहोश होगी, तुम घबरा जाओगी।
तुम दुश्मन के डर के कारण शरण की जगह
ढूँढोगी।तुम पक्के अंजीर लगे हों, हिलाए जाने
पर वे खानेवाले के मुँह में गिरते हैं। 12 तुम्हारे
सभी किले अंजीर के ऐसे पेड़ों के समान
होंगे, जिनमें पहले पक्के अंजीर लगे हों। यदि
उन्हें हिलाया जाए, तो फल खानेवाले के मुँह
में गिरेंगे। 13 देखो, तुम्हारे लोग जो तुम्हारे
बीच में हैं, वे स्त्रियाँ हैं। तुम्हारे देश के फाटक
दुश्मनों के लिए खोल दिए जाएँगे। तुम्हारी
छड़ें आग की कौर हो जाएँगी। 14 घेराबन्दी
होगी, इसलिए पानी भर ले, और अपने
किलों को और मज़बूत कर ले; कीचड़ में
आकर पैरों से गारा कुचल़, और भट्ठे को
सजा! 15 वहाँ आग तुझे भस्म कर देगी, और
तलवार तुझ पर वार करके तुझे नाश कर
देगी। वह येलेक नाम टिड्डियों के समान तुझे
निगल जाएगी। टिड्डियों के समान बढ़ जा,
तू अर्बे नाम टिड्डी के समान गिनती में बहुत
हो जा! 16 तेरे व्यापारी आकाश के तारों से
भी अधिक अनगिनित हो गए हैं। टिड्डी चट
करके उड़ जाती है। 17 तेरे अधिकारी टिड्डियों
के समान हैं, और तेरे सेनापति टिड्डियों के
दलों के समान हैं जो जाड़े के दिन में बाड़ों
पर आकर बैठते हैं, लेकिन सूरज निकलते ही
वे भाग जाते हैं; और कोई नहीं जानता कि
वे कहाँ गए। 18 हे अश्शूर के राजा, तुम्हारे
चरवाहे ऊंघते हैं; तुम्हारे वीर पुरुष धूल में
पड़े हैं। तुम्हारी प्रजा के लोग पहाड़ों पर
तितर-बितर हो गए हैं, और उन्हें इकट्ठा करने
वाला कोई नहीं है। 19 तुम्हारा घाव ठीक नहीं
हो पाएगा। तुम्हारे ज़ख्म स्वस्थ नहीं होने के।
जितने तुम्हारे बारे में खबर सुनेंगे, वे तुम पर
ताली बजाएँगे। क्योंकि ऐसा कौन है जिस पर
लगातार तुम्हारी दुष्टता का असर न पड़ा हो?
"

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com